**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग**
**डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय**
**पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५**

**बुलेटिन संख्या-१८**
**दिनांक- मंगलवार, ३ मार्च, २०२०**

## विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २७.६ एवं १४.१ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ६० प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ७० प्रतिशत, हवा की औसत गति ६.६ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण २.२ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ८.६ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १८.१ एवं दोपहर में २८.० डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।

## मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
## (३-७ मार्च, २०२०)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ३-७ मार्च तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में बादल देखे जा सकते हैं। हलाकि इस अवधि में मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने का अनुमान है। कुछ स्थानों पर ७-८ मार्च को हल्की बुंदा-बुंदी हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान २६ से ३० डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान १४-१५ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन ६-१३ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार **से** पूरवा **हवा** चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ७० से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ४० से ६० प्रतिशत रहने की संभावना है।

## • समसामयिक सुझाव

- गरमा मूंग तथा उरद की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। जिन कृषक-बंधु का खेत बुआई के लिए तैयार है वे विगत वर्षा से मिट्टी में आई उपयुक्त नमी का फायदा उठाते हुए बुआई कर सकते है। बुआई के पूर्व २० किलो ग्राम नेत्रजन, ४५ किलो ग्राम स्फूर, २० किलो ग्राम पोटाश तथा २० किलो ग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विशाल, सम्राट, एस०एम०एल०- ६६८, एच०यू०एम०-१६ एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद-१६, पंत उरद-३१, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम २.५ ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु २०-२५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु ३०-३५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी ३०x१० से०मी० रखें।
- मौसम की शुष्क रहने की संभावना को देखते हुए तैयार सरसों की कटनी तथा दौनी एवं आलू की खोदाई कर सुखाने के बाद सुरक्षित स्थानों पर भंडारित करे। ज्वार की बुआई करे। इसकी स्वीट ज्वार या कोहवा प्रभेद लगाएँ। ज्वार के साथ हाईब्रीड मेथ या बोरी की फसल जरुर लगावें। मकई की अफ्रीकन टॉल प्रभेद की बुआई करें।
- चारा के लिए मकई और बाजरे की बुआई करे। चारे की लगी हुई फसलें जैसे-जई, बरसीम एवं लूसर्न की कटाई २५-३० दिनों के अन्तर पर करें। प्रत्येक कटनी के बाद खेतों में १० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टर की दर से उपरिवेशन करें।
- गरमा मौसम की सब्जियों की बुआई करें। १५०-२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पूरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर मिला दें। कजरा (कटुआ) पिल्लू से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु खेत की जुताई में क्लोरपायरीफॉस २० ई०सी० दवा का २ लीटर प्रति एकड़ की दर से २०-३० किलो बालू में मिलाकर व्यवहार करें। सब्जियों में निकाई-गुड़ाई एवं उपयुक्त वर्षा न होने की स्थिति में सिंचाई करें।
- प्याज में खर-पतवार निकालें। प्याज में कीट एवं रोग-व्याधि का निरीक्षण करें।
- सुर्यमुखी की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है इसकी बुआई १० मार्च तक संपन्न कर लें। खेत की जुताई में १०० क्विंटल कम्पोस्ट, ३०-४० किलोग्राम नेत्रजन, ८०-९० किलोग्राम फॉस्फोरस एवं ४० किलोग्राम पोटास का व्यवहार करे। उत्तर बिहार के लिए सूर्यमूखी की उन्नत संकुल प्रभेद मोरडेन, सूर्या, सी०ओ०-१ एवं पैराडेविक तथा संकर प्रभेद के लिए बी०एस०एच०-१, के०बी०एस०एच०-१, के०बी०एस०एच०-४४, एम०एस०एफ०एच०-१, एम०एस०एफ०एच०-८ एवं एम०एस०एफ०एच०-१७ अनुसंशित है। संकर किस्मों के लिए बीज दर ५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा संकुल किस्मों के लिए ८ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से पहले प्रति किलोग्राम बीज को २ ग्राम थीरम या कैप्टाफ दवा से उपचारित कर बुआई करे।

| | |
|---|---|
| आज का अधिकतम तापमानः २९.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.४ डिग्री अधिक | आज का न्यूनतम तापमानः १५.८ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.६ डिग्री अधिक |

**(डॉ० ए. सत्तार)**
**नोडल पदाधिकार**